

तापमान
33° 24.6°
अधिकतम
न्यूनतम

ह्यूमिडिटी : 88% (अधिकतम)
हवा की गति : 15 किमी/घंटा

फोरकास्ट
बादल रहेंगे

सोर्स: भोपाल मौसम विभाग के अनुसार

पर्यटन स्तर (AQI)

शान्तिनगर	44	00%
स्टेशन रोड	46	00%
सैलाना रोड	48	00%
दोबली	46	00%
उत्तर	51-100	101-200
दक्षिण	301-400	401-500

डीफ न्यूज

टक्कर से मौत

मह-नीमच मार्ग पर सोसवास स्थित होटल के पास एक दुर्घटना में 42 वर्षीय रासिंह की मृत्यु हो गई। अज्ञात जगह गति और लापरवाही से चलाते हुए इंगरसिंह को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। मृतक इंगरसिंह, पुत्र कान्हा गावा, झाबुआ जिले के मधुरिया नारायणपुरिया के निवासी थे।

ठक आज

भाजपा की आगामी

अवैध वेंडर चलते हैं व नजर हटाने वाली जीआरपी से लेकर आरपीएफ सब्जी नहीं कर रही है।

वरवा

अब मेडिकल कॉलेज में पर्ची नहीं, टेबलेट से जाएंगी मरीज की बीमारी की जानकारी

आरपीएफ
Patalka.com

रतलाम लगातार बिगाड़ रहे पर्यावरण संतुलन के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पेरलेस वर्क पर जोर देना शुरू किया है। इसके अंतर्गत मरीज को बनने वाली पर्ची अब कागज पर बनने के बजाए टेबलेट पर बनेगी। इसके लिए पायलट प्रोजेक्ट आगामी 1 अगस्त से लागू किया जा रहा है, जिसकी शुरुआत रतलाम के डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडे मेडिकल कॉलेज में हो रही है। यहां औसतन एक माह में 36 से 40 हजार मरीज के लिए ओपीडी में पर्ची बनती है। मेडिकल कॉलेज इसकी शुरुआत नेत्रचिकित्सा विभाग से करने जा रहा है, अगले तीन से चार माह में मेडिकल कॉलेज को पूरी तरह से पेरलेस कर दिया जाएगा।



ऐसे बचेगा पर्यावरण
औसतन, एक मध्यम आकार के पेड़ से लगभग 8,000 से 10,000 किलोग्राम की शीट बनती है। इस हिसाब से, एक सामान्य दवा की पर्ची बनाने में पेड़ का 0.0001 से 0.0002 हिस्सा ही खर्च होता है, यानी 5,000 से 10,000 पर्चियों के लिए लगभग 1 पेड़ काटा जाता है। रतलाम के मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में औसतन 40 हजार मरीज पूरे माह और एक साल में करीब 5 लाख मरीज आते हैं, ऐसे में एक साल में पेरलेस वर्क पर करीब 50 पेड़ कटने से बचाने में सफलता मिलेगी।

जहां छात्राः उसी रोड से
पुलिस ने निकाली हैकड़ी जिसने वीडियो रखा, उस तक नई पाई पुलिस

पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार करीब तीन वर्ष पूर्व किए गए सर्वे में विश्व स्तर पर एक व्यक्ति के खाले भारत के मान से इसको देखा जाए तो मात्र 28 पेड़ ही एक व्यक्ति के हिस्से में आते हैं। अब तो यह संख्या लगातार कटते पेड़ के बाद और कम हो गई है। ऐसे में स्वास्थ्य मंत्रालय का यह निर्णय पेड़ और कागज बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के आंकड़ों के अनुसार, भारत में कुल 823 मेडिकल कॉलेज हैं। इनमें से 450 सरकारी और 373 निजी मेडिकल कॉलेज हैं।

हमारी तैयारी पूरी
देशभर के मेडिकल कॉलेज में पेरलेस कार्य की योजना लागू होना है। इससे पर्यावरण बचाने में अहम योगदान मिलेगा। इसका ट्रायल प्रोजेक्ट पूरे देश में सबसे पहले रतलाम से आगस्त माह में शुरू हो रहा है। हमारी तरफ से इसकी पूरी तैयारी है।

डॉ. दिनय शर्मा, जनरल फिजिशियन, मेडिकल कॉलेज
जाएगा। 1 अगस्त से इसको लागू कर बाद इसके पूरे मेडिकल कॉलेज व दिया जाएगा। दो माह तक ट्रायल के देश में लागू करने की योजना है।

सखवाल नगर ब्रिज के पास से जवाहर नगर निवासी युवक शनि चौहान (29) को 18 क्वार्टर देशी स्लेन शराब के साथ प्लेन शराब जब्त की गई, जिसकी कीमत 16,20 रुपए बताई गई है। सड़नी कैलाश सेनी ने जुलुबानिया फंटा, ग्राम रामलाल निनामा 19 व नयाखेड़ा सैलाना और 3 मदन खड्गी 19 वर्ष निवा क्षाना सखन की हैकरी